पाठ - 4

'मिठाईवाला'

1. पठित गंद्याश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-

''बहन, प्राण न निकले, इसलिए अपने उन बच्चों की खोज़ में निकला हूँ। वे सब अंत में होगें तो यहीं कहीं। आखिर में कहीं न कहीं जन्में ही होंगे। उस तरह रहता, घुल-घुलकर मरता। इस तरह संतोष-सुख के साथ मरूँगा। जान पड़ता है, जैसे वे इन्हीं में उछल-उछल कर हँस-खेल रहे हैं।''

प्र01 ये पंक्तियाँ किस पाठ में से ली गई हैं? पाठ के लेखक का नाम लिखो।

उत्तर .....

प्र02 ये पंक्तियाँ किस ने कहीं है?

उत्तर .....

प्र03 मिठाई वाला किस तरह मरना चाहता था?

उत्तर .....

2. निम्न शब्दों के सही अर्थों से मिलान कीजिए -

'शब्द'	'अर्थ'	सही मेल
मृदुल	विचित्र	.....
हर्ष	समुद्र	.....
सागर	क्षीण	.....
बगीचा	कोमल	.....
अनोखा	खुशी	.....
कमजोर	उपवन	.....

प्र03 पाठ के आधार पर वस्तुओ के सहीं मूल्यों पर ◯ गोला लगाइए -

मुरली	☐	दो पैसे / पाँच पैसे
हाथ - घोड़ा	☐	चार पैसे / दो पैसे
मिठाई	☐	छः पैसे / एक पैसे

egyanarchive

प्र04 नीचे खंड 'क' में विराम-चिह्न एवम् खंड 'ख' में उनके नाम दिए गए हैं। विराम-चिह्न को उसके नाम से मिलाइए :-

खंड 'क' विराम-चिह्न	खंड 'ख' विराम-चिह्नों के नाम
?	विस्मयादिबोधक
!	अल्प विराम
' '	पूर्ण विराम
" "	प्रश्न सूचक
,	एकल उदाहरण चिह्न
।	दुहरा उद्धरण चिह्न

प्र05 किन्हीं चार सिक्कों की छाप बनाओ।

....

....

प्र06 पाठ से ढूँढकर आप बोलचाल की भाषा और बोलियों वाले शब्द लिखिए (जैसे-सोथनी, मुरलिया आदि)

1) ..... 2) .....

3) ..... 4) .....

5) ..... 6) .....

egyanarchive